श्याम तेरी नौकरी | By Sardar Romi

जिसने ये जीवन तुझपे है वारा बड़ी मौज में उसका चलता गुजारा जीवन की बिगया रहती हरी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है

सबसे अलग है सबसे खरी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है कहते हैं वो जिसने सेवा करी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है

आधे अधूरे थे मेरे सपने मुख मोड़ कर बैठे मेरे थे अपने जबसे मिली श्याम तेरी चाकरी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है

जब जब मैंने हाथ फैलाया खाली नहीं श्याम तुमने लौटाया जब जब पसारी झोली भरी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है

ऐसा अनोखा मालिक है पाया सेवक का जिसने मान बढ़ाया अगले जनम की रोमी अर्ज़ी धरी है बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है तेरी नौकरी है

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%b6\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%af\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%ae-\%e0\%a4\%ae-\%e0\%a4\%ae-\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%a8\%e0\%a5\%8c\%e0\%a4\%95\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%80-by-sardar-romi/$